हिंदी (Higher)

भाषा-शिक्षण के उद्देश्य :

- दैनिक जीवन में हिंदी में समझने-बोलने के साथ-साथ लिखने की क्षमता का विकास।
- भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को पहचानना और विश्लेषण करना।
- हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता।
- मौलिक, वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, सृजनात्मक अभिव्यक्ति करने में सक्षम।
- स्वाध्याय की प्रवृत्ति का विकास।
- साहित्य के पठन-पाठन द्वारा तार्किक एवं वैज्ञानिक समझ का विकास।
- शोध द्वारा अन्य विषयों की सामग्री के साथ समन्वय करने में सक्षम।
- भाषा और साहित्य के रचनात्मक उपयोग के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

साभार-

- सी.बी.एस.ई.
- एन.सी.ई.आर.टी.

वार्षिक परीक्षा सत्र के अंत में होगी। परीक्षा संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगी।

अंक-विभाजन प्रणाली (वार्षिक-परीक्षा : 2024-2025)

पाठ्यक्रम विभाजन	अंक योजना	समयावधि
1. लिखित परीक्षा	80 अंक	3 घंटे
2. आंतरिक मूल्यांकन	20 अंक	......

वार्षिक परीक्षा पाठ्यक्रम

इकाई अनुसार विवरण अधिगम संप्राप्ति सहित

पाठ्यक्रम विवरण	अधिगम संप्राप्ति
1. **अपठित बोध** (दो अपठित गद्यांश लगभग 200 शब्दों के)	• समसामयिक प्रसंगों/संदर्भों को तार्किक ढंग से समझने की क्षमता विकसित कर सकेंगे। • तथ्यों का वर्णन, विश्लेषण एवं संश्लेषण करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे। • भाषा संबंधी विभिन्न पहलुओं को समझकर भाषिक सौंदर्य की परख करने में सक्षम होंगे। • तार्किक और आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास कर सकेंगे।
2. **व्यावहारिक व्याकरण** • अनुस्वार, अनुनासिक • 'र' के विभिन्न रूप • उपसर्ग, प्रत्यय • शब्द भंडार (विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द) • संधि (स्वर और व्यंजन संधि) • समास • वाक्य भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर) • अलंकार (अनुप्रास, यमक, उपमा, मानवीकरण, अतिशेयोक्ति) • विराम चिह्न • मुहावरे	• भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को समझकर उसका प्रयोग करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे। • भाषा के व्याकरणिक नियमों, सूत्रों व परिभाषाओं की समझ का विकास कर सकेंगे। • शब्द भंडार में वृद्धि, शुद्ध उच्चारण, एवं वर्तनी के सही प्रयोग आदि की क्षमता का विकास कर सकेंगे। • अर्थ, ध्वनि, रूप आदि वाक्य के अवयवों से परिचित हो सकेंगे।

3. पाठ्यपुस्तक पाठ-1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता) पाठ-2 असल धन (कहानी) पाठ-4 दोपहरी (कविता) पाठ-6 आश्रम के अतिथि और संस्मरण (संस्मरण) पाठ-7 अन्याय के खिलाफ लड़ाई (जीवनी) पाठ-8 दोहे (पद्य) पाठ-10 बातचीत की कला (निबंध) पाठ-11 सितारों से आगे (जीवनी) पाठ-12 पौधे के पंख (डायरी) पाठ-13 सूर और तुलसी के पद (पद्य) पाठ-15 कामचोर (कहानी) पाठ-17 सोना (रेखाचित्र, संस्मरण) पाठ-18 निर्माण (कविता) पाठ-19 जीवन का सच (पत्र)	• साहित्य की विभिन्न विधाओं (कहानी, कविता, नाटक आदि) से परिचित हो सकेंगे। • भाषायी कौशल एवं दक्षताओं (श्रवण, वाचन, पठन व लेखन) का विकास कर सकेंगे। • साहित्य की विभिन्न विधाओं के आधार पर कहानी, कविता, नाटक आदि की रचना करने में सक्षम हो सकेंगे। • राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाषायी सद्भावना का विकास कर सकेंगे।
4. रचनात्मक लेखन • अनुच्छेद लेखन • पत्र लेखन (औपचारिक व अनौपचारिक पत्र) • संवाद लेखन • सूचना लेखन	• अपने ज्ञान कौशल व सोचने की शक्ति के आधर पर रचनात्मक लेखन में सृजनात्मक दृष्टिकोण का विकास कर सकेंगे। • अपने विचारों को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे। • विभिन्न लेखन शैलियों के साथ प्रयोग करने की स्वतंत्रता संबंधी क्षमता का विकास कर सकेंगे। • बौद्धिक व भावनात्क क्षमता का विकास कर सकेंगे।

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं पाठानुसार अंक व कालांश विभाजन

क्रम संख्या	प्रश्नपत्र के प्रारूप के आधार पर वर्गीकरण	कालांश	निर्धारिक अंक
1.	अपठित गद्यांश	10	14
2.	व्याकरण	45	20
3.	पाठ्यपुस्तक	75	26
4.	रचनात्मक लेखन	30	20

प्रश्नों के प्रकार (वर्गीकरण) के आधार पर अंक भार

क्रम संख्या	प्रश्नों के प्रकार का वर्गीकरण	प्रश्नों की संख्या	निर्धारित अंक	पूर्णांक
	खंड-'क			
1.	दो अपठित गद्यांश (लगभग 200 शब्दों के) तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1×3=3) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (2×2=4)	2	7+7	14
	खंड- 'ख'			
2.	व्यावहारिक व्याकरण (विकल्प सहित) एक अंकीय आठ प्रश्न उपभाग सहित	8	1×20	20
3.	**खंड 'ग' (पाठ्यपुस्तक)**			
	• पठित गद्यांश (बहुवैकल्पिक) 1×5=5	1	5	
	• लघूत्तरात्मक प्रश्न। (पाँच प्रश्न विकल्प सहित) 2×5=10	1	10	

	पद्य भाग पर आधारित • पठित गद्यांश (बहुवैकल्पिक) 1×5=5 • लघूत्तरात्मक प्रश्न। (दो प्रश्न विकल्प सहित) (2×3=6)	1 1	5 6	26
	खंड- 'घ' (रचनात्मक लेखन) दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) • अनुच्छेद लेखन • पत्र लेखन • संवाद लेखन • सूचना लेखन	 1 1 1 1	5×1=5 5×1=5 5×1=5 5×1=5	20
		18		80

आंतरिक मूल्यांकन का विवरण :

क्रम संख्या	**आंतरिक मूल्यांकन के उपकरण (Tool)**	**अंक भार (20 अंक)**
1.	**आवधिक परीक्षा** (तीन आवधिक परीक्षा अनिवार्य है जिसमें से किन्हीं दो का औसत भार लिया जाएगा)	5
2.	**बहुविध मूल्यांकन** • मौखिक गतिविधि (आशु भाषण, कविता वाचन या दोहा गायन आदि), कला समेकित गतिविधि। • एकल/सामूहिक गतिविधि (पाठ–'बहू की विदा' व 'अच्छे पड़ोसी के गुण' पर आधारित)	5
3.	**पोर्टफोलियो** • कार्य प्रपत्र, कॉपी (गृहकार्य एवं कक्षाकार्य)	

	• सत्र के दौरान उपलब्धियों के प्रमाण-पत्र एवं छायाचित्र सहित उल्लेख • स्वरचित कविता, कहानी, आलेख या दैनंदिनी के लघु अंश • परियोजना कार्य (पाठ-'जब भोलाराम ने पंप लगाया' पर आधारित) **मूल्यांकन बिंदु**-(रखरखाव, पूर्णता, स्वच्छता, विषयानुकूलता एवं प्रस्तुति)	5
4.	**विषय संवर्धन गतिविधि** • श्रवण एवं वाचन गतिविधि पठन दक्षताओं पर आधारित **मूल्यांकन बिंदु:** (सुनने-समझने की योग्यता, कथनों एवं विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता, वाचन शब्दों के उच्चारण की शुद्‌धता एवं प्रस्तुति) **अधिगम संप्राप्ति** **श्रवण कौशल :** • विषय को सुनने के उपरांत भावों को समझकर आत्मसात कर सकेंगे। • एकाग्रता, स्वाध्याय की प्रवृत्ति करने जैसे गुणों का विकास कर सकेंगे। • एकाग्रतापूर्वक सुनकर कार्य प्रपत्र के प्रश्नों के उत्तर देने में सक्ष हो सकेंगे। **वाचन कौशल :** • शुद्‌ध उच्चारण एवं धारा प्रवाह भावाभिव्यक्ति में सक्षम हो सकेंगे। • प्रभावपूर्ण संप्रेषण, सृजनात्मकता, तार्किक क्षमता जैसे गुणों का विकास कर सकेंगे। • आरोह-अवरोह के साथ वाचन करने में सक्षम हो सकेंगे।	5

विशिष्ट निर्देश :

- आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित पाठ परियोजना कार्य/गतिविधि में अनिवार्य रूप से दिए जाएँ।
- आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित ज्ञान सागर (पाठ्यपुस्तक) के इन पाठों से परीक्षा में प्रश्न नहीं दिए जाएँगे।

आंतरिक मूल्यांकन एवं परियोजना कार्य हेतु पाठों के नाम

- पाठ–3 अच्छे पड़ोसी के गुण (निबंध)
- पाठ–9 जब भोलाराम ने पंप लगाया (व्यंग्य)
- पाठ–14 बहू की विदा (एकांकी)
- पाठ–20 ईर्ष्या : तू न गई मेरे मन से (निबंध)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें

- ज्ञान सागर (डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग)
- अभ्यास सागर (डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग)

हिंदी (तृतीय भाषा)

शिक्षण उद्देश्य :

- दैनिक जीवन में समझने-बोलने के साथ-साथ लिखने की क्षमता का विकास करना।
- हिंदी के माध्यम से अपने अनुभव संसार को लिखकर सहज अभिव्यक्ति कर पाने में सक्षम बनाना।
- अपनी मातृभाषा और परिवेशगत भाषा को साथ रखकर हिंदी की संरचनाओं को समझ पाना।
- भाषा एवं साहित्य को समझने एवं आत्मसात करने की दक्षता का विकास।
- कक्षा में बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक संदर्भों के प्रति संवेदनशील सकारात्मक सोच बनाना।
- कविता, कहानी तथा घटनाओं को रोचक ढंग से प्रस्तुत कर पाना।
- स्वाध्याय की प्रवृत्ति का विकास कर पाना।
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों को समझ पाना।
- मौलिक एवं सृजनात्मक लेखन में दक्षता प्राप्त कर पाना।
- प्रवाहपूर्ण अर्थग्रहण, चिंतन-मनन एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति का विकास कर पाना।

अंक विभाजन प्रणाली
(वार्षिक-परीक्षा : 2024-2025)

पाठ्यक्रम विभाजन	अंक योजना	समयावधि
1. लिखित परीक्षा	80 अंक	3 घंटे
2. आंतरिक मूल्यांकन	20 अंक	......

वार्षिक-परीक्षा पाठ्यक्रम

- अपठित बोध-I (80-100 शब्द)
- अपठित गद्यांश-II (80-100 शब्द)

अधिगम संप्राप्ति–

सत्र के अंत में विद्यार्थी सक्षम हो सकेंगे–

❖ प्रवाहपूर्ण, मौन तथा मुखर वाचन

❖ वैचारिक क्षमता का विकास

❖ नवीन शब्दावली का विकास

❖ बोधगम्यता का विकास

❖ अपठित गद्यांश को समझकर आनंदानुभूति का विकास

व्यावहारिक-व्याकरण

- अनुस्वार, अनुनासिक व नुक्ता
- विशेषण-विशेष्य
- क्रिया-संयुक्त क्रिया
- काल व भेद
- विलोम शब्द
- 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग
- मुहावरे
- विराम-चिह्न
- वाक्यांश के लिए एक शब्द
- वचन परिवर्तन
- कारक
- अशुद्धि-शोधन
- मानक रूप
- संज्ञा (भेद सहित), सर्वनाम
- पर्यायवाची
- उपसर्ग-प्रत्यय

अधिगम संप्राप्ति–

- ❖ संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा विशेषण की परिभाषा को समझकर उनमें भेद कर पाएँगे।
- ❖ मानक रूप को समझकर भाषा में उचित प्रयोग कर सकेंगे।
- ❖ शुद्ध वर्तनी का प्रयोग कर सकेंगे।
- ❖ भाषा में विराम चिह्नों के महत्व व प्रयोग को समझ सकेंगे।
- ❖ शब्द विचार के अंतर्गत आने वाले विषयों को समझकर भाषा में उचित प्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्यपुस्तक——

पाठ–1 दिमागी लड़ाई

पाठ–2 लौह पुरुष

पाठ–3 पेड़ (कविता)

पाठ–4 पूरे एक हज़ार (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ–5 दो पहलवान

पाठ–6 नदी यहाँ पर (कविता)

पाठ–7 पतीले की मृत्यु (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ–8 टपके का डर

पाठ–9 अजंता की सैर

पाठ–10 ये बात समझ में आई नहीं... (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ–11 बिरसा मुंडा (केवल परियोजना कार्य हेतु)

पाठ–12 अगर न नभ में बादल होते (कविता)

पाठ–13 प्रिय पौधा

पाठ–14 बुद्धिमान राजा

पाठ–15 अँधेर नगरी (केवल परियोजना कार्य हेतु)

पाठ–16 चाँद का कुर्ता

पाठ–17 हार की जीत

पाठ–18 बेट्टिना का साहस

पाठ–19 लौट आया आत्मविश्वास (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ–20 कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती (कविता)

अधिगम संप्राप्ति–

- ❖ पाठों के अंतर्गत आने वाले पात्रों को समझकर तथा उनका विश्लेषण करके उनकी सकारात्मक चारित्रिक विशेषताओं का अनुकरण कर सकेंगे।
- ❖ पाठों के अंतर्गत आने वाली कथावस्तु का विश्लेषण करके उससे प्राप्त सीख का अनुकरण कर सकेंगे।
- ❖ कविताओं का सस्वर वाचन लय–ताल सहित कर सकेंगे।
- ❖ कविता तथा कहानियों से प्राप्त जीवन–मूल्यों को जीवन में आत्मसात कर सकेंगे।
- ❖ पाठों को समझकर उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन व सामाजिक परिवेश से जोड़ सकेंगे।

रचनात्मक–लेखन

(i) अनुच्छेद लेखन (80–100 शब्द)

(क) मेरा प्रिय त्योहार

(ख) मेरे जीवन का लक्ष्य

(ग) यदि मैं नदी होता/होती

(घ) समुद्र तट की सैर

(ङ) पुस्तकें—हमारी सच्ची मित्र

(च) मेरा आदर्श

(छ) मेरे सपनों का भारत

(ज) विद्यार्थी और अनुशासन

(झ) मेरी रोमांचक यात्रा

(ञ) असफलता—एक चुनौती

(ii) पत्र-लेखन :

(क) औपचारिक पत्र (अवकाश प्राप्ति के लिए प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या को प्रार्थना-पत्र, क्षमा-याचना, शुल्क-माफी हेतु आदि)

(ख) अनौपचारिक पत्र (निमंत्रण पत्र, बधाई-पत्र, भाषा-अभ्यास में दिए पत्रों का अभ्यास आदि)

(iii) चित्र-वर्णन / डायरी लेखन

(*दृष्टिबाधित छात्रों के लिए 'डायरी लेखन' दिया जाएगा।)

(iv) संवाद-लेखन

अधिगम संप्राप्ति–

❖ अपने भावों की अभिव्यक्ति स्पष्टता, शुद्धता तथा सटीकता के साथ कर सकेंगे।
❖ विद्यार्थी सृजनात्मक कौशल का विकास कर सकेंगे।
❖ प्रदत्त विषयों की विषयवस्तु का सविस्तार वर्णन करते हुए निष्कर्ष निकाल सकेंगे।
❖ विषयवस्तु के विस्तार में उत्तम उदाहरणों का समावेश कर सकेंगे।
❖ पत्र के प्रारूप को समझकर उत्तम तरीके से लिख सकेंगे।
❖ चित्र को समझकर स्व-अभिव्यक्ति कर सकेंगे।

विस्तृत पाठ्यक्रम अंक योजना

विषयवस्तु	उपभार	कुल भार
खंड-क (अपठित बोध)		
1. अपठित गद्यांश पर बोध, चिंतन, विश्लेषण तथा सराहना आदि पर आधारित <u>**बहुवैकल्पिक प्रश्न**</u> (दो अपठित गद्यांश लगभग 80 से 100 शब्दों में)	5+5	10
खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)		
2. व्यावहारिक व्याकरण (पाठ्यक्रम में निर्धारित भाषा अभ्यास के व्याकरणिक विषयों पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न		20

	खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)			
3.	भाषा माधुरी के पाठों पर आधारित- पठित गद्यांश तथा काव्यांश के आधार पर विषयवस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर एक अंकीय (पाँच बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएँगे)		5 5	10
4.	अति लघूत्तरात्मक प्रश्न	• एक वाक्य में उत्तर • किसने, किससे कहा • पाठ के आधार पर वाक्यों का मिलान • रिक्त स्थानों की पूर्ति (गद्य एवं पद्य)	5 2 2 2	
	लघूत्तरात्मक प्रश्न	प्रश्न-उत्तर (पाठ पर आधारित) (30-40 शब्द) (विकल्प सहित)	9	20
	खंड-घ (रचनात्मक लेखन)			
5.	अनुच्छेद लेखन (80-100 शब्दों में)		5	
6.	पत्र लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र		5	
7.	चित्र वर्णन (दृष्टि-बाधित छात्रों के लिए चित्र वर्णन के स्थान पर डायरी लेखन दिया जाएगा।)		5	
8.	संवाद लेखन		5	20
	कुल अंक			80 अंक

प्रश्नों के वर्गीकरण के अनुरूप अंक भार

क्र.सं.	प्रश्नों का वर्गीकरण	प्रश्न-संख्या	निर्धारित अंक	पूर्णांक
	खंड-क (बहुवैकल्पिक प्रश्न)			
1.	अपठित गद्यांश-I (80-100 शब्द)	1×5=5	5 अंक	
	अपठित गद्यांश-II (80-100 शब्द)	1×5=5	5 अंक	10 अंक
	खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)			
2.	• अनुस्वार, अनुनासिक व नुक्ता	½×½=1	1 अंक	
	• विशेषण-विशेष्य	1×1=1	1 अंक	
	• काल व भेद	1×1=1	1 अंक	
	• विलोम शब्द	1×1=1	1 अंक	
	• 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग	1×1=1	1 अंक	
	• मुहावरे	1×1=1	1 अंक	
	• विराम चिह्न	1×1=1	1 अंक	
	• वाक्यांश के लिए एक शब्द	1×1=1	1 अंक	
	• वचन परिवर्तन	1×1=1	1 अंक	
	• कारक	1×1=1	1 अंक	
	• अशुद्धि शोधन	1×1=1	1 अंक	
	• मानक रूप	1×1=1	1 अंक	
	• पर्यायवाची	1×2=2	2 अंक	
	• उपसर्ग-प्रत्यय	1×2=2	2 अंक	
	• संज्ञा (भेद सहित) तथा सर्वनाम	1×2=2	2 अंक	
	• क्रिया-संयुक्त क्रिया	1×2=2	2 अंक	
				20 अंक

3.	**खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)**			
	भाषा माधुरी के पाठों पर आधारित • पठित गद्यांश • पठित काव्यांश	 1×5=5 1×5=5	 5 अंक 5 अंक	
	अति लघूत्तरात्मक प्रश्न			
	• एक वाक्य में उत्तर • किसने, किसने कहा • पाठ के आधार पर वाक्यों का मिलान • रिक्त स्थानों की पूर्ति (गद्य एवं पद्य)	1×5=5 1×2=2 ½×4=2 1×2=2	5 अंक 2 अंक 2 अंक 2 अंक	
	लघूत्तरात्मक प्रश्न			
	प्रश्न-उत्तर (पाठ पर आधारित) (30-40 शब्द) (विकल्प सहित)	3×3=9	9 अंक	30 अंक
4.	**खंड-घ (रचनात्मक लेखन)**			
	• अनुच्छेद लेखन (80-100 शब्दों में) • पत्र लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र) • चित्र वर्णन (दृष्टि बाधित छात्रों के लिए 'डायरी लेखन' दिया जाएगा) • संवाद लेखन	1×5=5 1×5=5 1×5=5 1×5=5	5 अंक 5 अंक 5 अंक 5 अंक	20 अंक
				80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन का विवरण

क्र.सं.	आंतरिक मूल्यांकन		अंक भार
1.	आवधिक परीक्षा	तीन आवधिक परीक्षा अनिवार्य हैं जिसमें से किन्हीं दो का औसत भार लिया जाएगा।	5
2.	बहुविध मूल्यांकन	पाठों की विषयवस्तु के अनुरूप निम्नलिखित गतिविधियों का चयन किया जा सकता है– • आशुभाषण • काव्य पाठ • कहानी-कहना (सुनाना) • संभाषण (भाषण प्रस्तुति) • एकल अभिनय • साक्षात्कार तथा वाद-विवाद • अंत्याक्षरी • समाचार-वाचन • कक्षा-परिचर्चा • भूमिका-निर्वहन • प्रश्न-मंच (स्वेच्छापूर्वक अन्य गतिविधियों का भी चयन किया जा सकता है।)	5
3.	विषय संवर्धन मूल्यांकन	श्रवण-कौशल–शब्दों व पदों को समझने एवं जटिल कथनों एवं विचार बिन्दुओं को समझने की योग्यता	

		अधिगम संप्राप्ति– • विषय को सुनने के उपरांत उसे समझकर भावों को आत्मसात कर सकेगे। • एकाग्रता का विकास कर सकेंगे। • उचित-अनुचित सूचना में भेद करने में सक्षम हो सकेंगे। • एकाग्रतापूर्वक सुनकर कार्य प्रपत्र के प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • कक्षा में दिए गए निर्देशों तथा सुझावों को समझने में सक्षम हो सकेंगे। वाचन-कौशल–प्रदत्त विषयों में से किसी भी गतिविधि द्वारा वाचन कौशल का मूल्यांकन अधिगम सम्प्राप्ति– • शब्दों के उच्चारण की शुद्धता एवं धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुति आरोह-अवरोह सहित भावाभिव्यक्ति • शुद्ध उच्चारण कर सकेंगे घटनाओं एवं परिस्थितियों की तारतम्यता के साथ प्रस्तुति • आत्मविश्वास का संवर्धन कर सकेंगे। • तार्किक क्षमता का विकास • प्रभावपूर्ण सम्प्रेषणात्मक कौशल का विकास	

4.	पोर्टफोलियो मूल्यांकन बिंदु • रख रखाव • पूर्णता • स्वच्छता • विषयानुकूलता एवं आकर्षक प्रस्तुति	पत्रिका/कॉपी (कक्षा कार्य, गृह कार्य एवं अभ्यास प्रपत्र) सत्र के अंतर्गत उपलब्धियों के प्रमाण पत्र एवं छायाचित्र सहित उल्लेख	5 अंक

विशेष निर्देश–

❖ भाषा माधुरी में निर्धारित परियोजना कार्य हेतु पाठों का मूल्यांकन परीक्षा में नहीं किया जाएगा लेकिन भाषा अभ्यास से प्रश्न पूछे जाएँगे।

❖ **परियोजना कार्य हेतु निर्धारित पाठ**

पाठ–11 'बिरसा मुंडा' (स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों का कोलाज तथा बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित परियोजना)

पाठ–15 'अँधेर नगरी' (पाठ का नाट्य मंचन)

निर्धारित पुस्तकें :

1. भाषा–माधुरी
2. भाषा–अभ्यास

(प्रकाशन विभाग–डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति, नई दिल्ली)